

---

.. Shri Dattamala Mantra ..

॥ श्री दत्तमाला मन्त्र ॥

---

ॐ नमो भगवते दत्तात्रेयाय, स्मरणमात्रसन्तुष्टाय,  
महाभयनिवारणाय महाज्ञानप्रदाय, चिदानन्दात्मने  
बालोन्मत्तपिशाचवेषाय, महायोगिने अवधूताय,  
अनसूयानन्दवर्धनाय अत्रिपुत्राय, ॐ भवबन्धविमोचनाय,  
आं असाध्यसाधनाय, ङ्हीं सर्वविभूतिदाय,  
क्रौं असाध्याकर्षणाय, ऐं वाक्प्रदाय, क्लीं जगत्रयवशीकरणाय,  
सौः सर्वमनःक्षोभणाय, श्रीं महासंपत्प्रदाय,  
ग्लौं भूमंडलाधिपत्यप्रदाय, द्रां चिरंजीविने,  
वषट् वशीकुरु वशीकुरु, वौषट् आकर्षय आकर्षय,  
हुं विद्वेषय विद्वेषय, फट् उच्चाटय उच्चाटय,  
ठः ठः स्तंभय स्तंभय, खें खें मारय मारय,  
नमः संपन्नय संपन्नय, स्वाहा पोषय पोषय,  
परमन्त्रपरयन्त्रपरतन्त्राणि छिंधि छिंधि,  
ग्रहान्निवारय निवारय, व्याधीन् विनाशय विनाशय,  
दुःखं हर हर, दारिद्र्यं विद्रावय विद्रावय,  
देहं पोषय पोषय, चित्तं तोषय तोषय,  
सर्वमन्त्रस्वरूपाय, सर्वयन्त्रस्वरूपाय,  
सर्वतन्त्रस्वरूपाय, सर्वपल्लवस्वरूपाय,  
ॐ नमो महासिद्धाय स्वाहा ।

From Dattatreya upanishad

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

Last updated July 3, 2011

<http://sanskritdocuments.org>